सम्प्रति स्वाहङ्कारं परिहरति—

निसर्गदुर्बोधमबोधविक्लवाः क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः ।
तवानुभावोऽयमवेदि यन्मया निगूढतत्त्वं नयवर्त्म विद्विषाम् ॥ ६ ॥

अन्वयः—निसर्गदुर्बोधं, भूपतीना, चरितं, क, अबोधविक्लवा, जन्तवः,
गूढतत्त्वं, विद्विषां, नयवर्त्म, यत्, मया, अवेदि, अयं, तव, अनुभावः॥

Scanned with CamScanner

भाषार्थः—कहाँ तो स्वभावसे ही दुर्ग्रह राजाओंका व्यवहार और कहाँ मेरे जैसे अज्ञानी पामर वनेचर प्राणी। अत्यन्त गुप्तरहस्योंवाले इस शत्रुओंके नीतिमार्गको मैं जो कुछ जान पाया वह आपकी ही कृपा है।

Scanned with CamScanner

सम्प्रति यद्वक्तव्यं तदाह—

1986 **विशङ्कमानो भवतः पराभवं नृपासनस्थोऽपि वनाधिवासिनः।**
दुरोदरच्छद्मजितां समीहते नयेन जेतुं जगतीं सुयोधनः ॥ ७ ॥

अन्वयः—सुयोधनः, नृपासनस्थः, अपि, वनाधिवासिनः, भवतः पराभवं, विशङ्कमानः, दुरोदरच्छद्मजितां, जगतीं, नयेन, जेतु, समीहते ॥

पदार्थः—सुयोधनः=धृतराष्ट्रका ज्येष्ठपुत्र। नृपासनस्थः अपि=राजसिंहासनमें आरूढ़ हुआ भी। वनाधिवासिनः=वनमें रहते हुए, भवतः = आपसे पराभवं=पराजयकी, विशङ्कमानः (सन्)=शङ्का करता हुआ। दुरोदरच्छद्मजितां=जुएके बहानेसे जीती हुई, जगतीं=पृथ्वीको। नयेन=नीतिपूर्वक, जेतुं=जीतनेकी, समीहते=चेष्टा करता है।

Scanned with CamScanner

भावार्थः—सुयोधनः यद्यपि संप्रति सिंहासनारूढ आस्ते तथापि वने प्रवसतो भवत्तः पराजयं बिशङ्कते, अत एव या पृथ्वी तेन द्यूतव्याजेनार्जिता तामधुना नयेन वशीकर्तुं चेष्टते ।

भाषार्थः—सुयोधन यद्यपि राजसिंहासनारूढ है फिर भी वनमें रहनेवाले आपसे पराजित हो जानेकी शंका करता हुआ द्यूतकीडाके बहाने जीती हुई पृथ्वीको नीतिसे वशमें करनेका प्रयत्न कर रहा है ॥

Scanned with CamScanner

विशेष—"यद्यपि आप राज्यसे भ्रष्ट हुए साधनहीन होकर बन-बन भटक रहे हैं और सुयोधन राजसिंहासन पर बैठा हुआ सर्वसाधनसम्पन्न है, फिरभी उसे यह आशङ्का बनी रहती है कि कहीं आप उसे पराजित न कर दें, इसलिये जिस राज्यको उसने जुए में कपटसे जीता था उसे न्यायपूर्वक शासन करके अपने अधीन रखनेका प्रयत्न कर रहा है।" इन वाक्योंसे एक ओर तो युधिष्ठिर का अतुलनीय प्रभाव प्रकट होता है और यह व्यक्त होता है कि यदि आप थोड़ा भी प्रयत्न करें तो उसे जीत सकते हैं और वह आपकी शक्तिसे भयभीत है इसलिये दुर्योधन न कहकर सुयोधन कहा है। दूसरी ओर यह भी ध्वनित होता है कि शत्रु चुपचाप नहीं बैठा है, जिस प्रजाको अन्यायसे उसने प्राप्त किया था उसे न्याय द्वारा भी अनुरक्त करनेकी चेष्टा कर रहा है, इसलिये उसे उखाड़ने के लिए आपको शक्तिसंचय करना पड़ेगा ॥ ७ ॥

Scanned with CamScanner